हर किशोरी का अधिकार ,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

परिचय

बुलन्द हौसलों की कहानी

खुद से जीतने की जिद़ है, मुझे खुद को ही हराना है
मैं भीड़ नहीं हूँ दूनियाँ की मेरे अंदर एक जमाना है.....

नाम - **डॉ. सुषमा सिंह**

जन्म स्थान - बनारस (उत्तर प्रदेश)

शिक्षा - एम.ए, (BHU), एम. फिल. (BHU), एम.एस. डब्लू (इग्नू), पी.एच.डी, (Banaras Hindu University(BHU))

व्यवसाय / नौकरी - 2007 से असिस्टेंट प्रो. महिला महाविद्यालय बनारस यूनिवर्सिटी, 2011 में सी.एम.डी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ , 2014 में सेंट्रल यूनिवर्सिटी गुरू घासीदास यूनिवर्सिटी लॉ डिपार्टमेंट में 2015 में युनिवर्सिटी में त्याग पत्र दिया और अगस्त 2015 में निदान संस्था का गठन कर महिलाओं के क्षेत्र में स्वास्थ्य व रोजगार के विषय पर कार्य करने का निर्णय लिया।

निदान संस्था का गठन -

निदान संस्था का गठन 24 फरवरी 2015 को अपने पंजीयन स्वरूप में रजि. नं. 26160 के रूप में हुआ। निदान संस्था का मोटो ''एक कदम समाधान से परिणाम की ओर'' है जिसका अर्थ न सिर्फ समस्या का समाधान बल्कि साथ ही साथ निदान संस्था उसके परिणाम तक जाती है। समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव का भी बड़ी खुबसूरती के साथ समाचार पत्रों के द्वारा करते हैं।

निदान संस्था के कार्य -

ग्रामीण छात्रों व किशोरियों के लिए मुक्ति हाईजीन प्रोजेक्ट (9-16 वर्ष)

किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक/हारमोनल परिवर्तनों को शासकीय विद्यालय में शिविर लगा कर सकारात्मक महौल में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में किशोरियों को अवगत कराना।

2015 में निदान संस्था की अध्यक्ष होने के नाते उन्होंने ग्रामीण किशोरियो / महिलाओं के स्वास्थ्य पर काम शुरू किया धीरे-धीरे उन्होंने पाया की ज्यादातर किशोरियां अपने मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं जाती । खास कर मासिक धर्म के शुरूआती तीन से चार दिन तो आवश्यक रूप से स्कूल आना बंद कर देती है।

डॉ. सिंह को स्कूल ना आने के खास कारणों के बिंदु पर जानने की जिज्ञासा हुई तो कारण का पता लगाने के लिए डॉ. सुषमा सिंह विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी के गावों के शास. विद्यालयों में सर्वे के साथ जागरूकता अभियान शुरू किया और 3200 सौ छात्राओं और 68 शिक्षकाओ से जो आंकड़े मिले वो चौंका देने वाले थे - 78 प्रतिशत छात्रायें अपने पहले मासिक धर्म शुरू होने से पहले इस विषय पर कुछ नहीं जानती जिससे उनके अंदर मासिक धर्म से जुड़ी भ्रातिया व रूढ़ियाये स्थान ले लेती है और कई मामलो में तो वे हीनभावना व शर्मिंदगी का भी कारण बनती है।

निदान संस्था ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में इसी विषय को फोकस किया और स्कूलों में मुक्ति हाइजीन प्रोजेक्ट शुरू किया और पाया की इस तरह का अवेयर्नेस काफी ज्यादा आवश्यक है ग्रामीण शासकीय स्कूलों व गांवो में । प्रिंसिपल, टीचर, स्टाफ यहां तक की स्कूलों के पुरूष अध्यापको ने भी इस मुक्ति हाइजीन प्रोजेक्ट को खुलकर समर्थन दिया। धीरे धीरे हम इस व्यवस्था के माध्यम से 3 विकासखण्डों के 68 स्कूलों से जुड़ गये।

संस्था अपने जनजागरूकता शिविर के प्रथम चरण (2015-16) में मार्केट से सेनेटरी नैपकिन लाकर आपूर्ति करती थी, पर इस विषय की गंभीरता को भांपते हुए निदान संस्था ने ठोस रूप से कदम उठाते हुए मैनुफेक्चरिंग यूनिट लगाने का बीड़ा उठाया और 2016 में बंग्लौर में स्वयं संस्था की अध्यक्ष डॉ .सुषमा ने ट्रेनिंग ली और उसके बाद NTPC सीपत कंपनी के सहयोग से छत्तीसगढ़ में प्रथम बायोडीग्रेबल एवं ईकोफ्रेंडली यूनिट लगाई।

संस्था ने कार्यक्रम दो विकासखंडो बिल्हा, मस्तूरी के 8 ग्राम पंचायतों के 12 स्कूलों से कार्यक्रम की शुरूआत की थी धीरे धीरे संस्था ने NTPC सीपत कम्पनी के सहयोग से मस्तुरी वि.खं. के 40 स्कूलों का चयन किया जिसमें निदान संस्था हाईजिन प्रोजेक्ट के

द्वारा माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसके अंतर्गत किशोरियों को शारीरिक बदलाव एवं मासिक धर्म के दौरान के रहन-सहन, स्वच्छता एवं सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल करने की आदत को बढ़ावा देते हैं एवं उनके स्वास्थ्य पर सेनेटरी इस्तेमाल करने वाले लाभों के बारे में अवगत कराते है। वर्तमान में निदान संस्था अपनी लो-कॉस्ट सेनेटरी नैपकिन मैनुफेकचरिंग युनिट का संचालन करती है जिसके माध्यम से आज संस्था लगभग 15000 छात्राओं को प्रतिमाह मुक्ति सेनेटरी नैपकिन एनटीपीसी की सहायता से करा पायी। निदान संस्था वर्तमान में बिल्हा विकासखण्ड, तखतपुर विकासखण्ड, कोटा विकासखण्ड के 35 शास. विद्यालयों में हाईजीन प्रोजेक्ट मुक्ति शुरू करने जा रही है।

डॉ. सिंह का मानना है कि हाईजिन प्रोजेक्ट मुक्ति को छ.ग. शासन के साथ मिलकर मुक्ति किशोरी योजना के नाम से संपूर्ण संभाग (बिलासपुर) के ग्रामीण शासकीय विद्यालयों में लागू किया जाए जिससे कि ग्रामीण किशोरियां अपने माहवारी के दौरान सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल स्कूलों के द्वारा ही प्राप्त कर सके क्योंकि प्रोजेक्ट मुक्ति के प्रारूप में ही छात्राओं को विद्यालयों में ही माहवारी शुरू होने के पूर्व ही जागरूक करना एवं सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराना दोनो का ही रोड मैप बनाकर ही संस्था काम कर रही है। वर्तमान में भी संस्था इसी रूप में व इसी रोड मैप के साथ काम कर रही है । निदान संस्था द्वारा बनाये गये सेनेटरी नैपकिन पूर्ण रूप से बायोडिग्रेबल व ईकोफ्रेण्डली है जिससे कि उन्हें उचित स्थान पर फेंके जाने पर मिट्टी के साथ आसानी से मिल जाते है एवं मिट्टी की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाते हैं। निदान संस्था पर्यावरण के प्रति संवेदनशील व हमेशा गंभीर रही है और अपनी जिम्मेदारी स्वरूप समझकर निदान संस्था प्रत्येक विद्यालयों में माहवारी जागरूकता शिविर के उपरांत छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के द्वारा प्रत्येक स्कूल में फलदार व आयुर्वेदिक पौधारोपण कराती है। इस कार्य क्रार्यक्रम के माध्यम से संस्था अबतक 1000 पौधारोपण करा चुकी है।

अतः मैं निदान संस्था के माध्यम से यह निवेदन करना चाहती हूँ कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुक्ति प्रोजेक्ट को समर्थन दें जिससे कि हम इस व्यवस्था को अन्य प्रदेशों के भांति बिलासपुर संभाग में भी ''मुक्ति किशोरी योजना'' के नाम से लागू करा पायें।

धन्यवाद....

जहां हरियाली, वहीं खुशहाली, बेटी बचाओ पेड़ लगाओ
- मुक्ति सेनेटरी नैपकिन

तथ्य : ग्रामीण क्षेत्रों में सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल ना करने का सबसे सशक्त कारण

1. Affordability : पहला कारण वहन या ना खरीद पाने की क्षमता
2. Availability : दूसरा कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सेनेटरी नैपकिन की उपलब्धता ना होना
3. Awareness : तीसरा और सबसे सशक्त कारण सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल करने के लाभ की जानकारी न होना या जनजागरूकता का अभाव

हौसले बुलंद कर रास्तो पर चल दे,
तुझे तेरा मुकाम मिल जाएगा,
बढ़कर तू अकेला पहल कर,
देखकर काफिला खुद बन जाएगा।

डॉ. सुषमा सिंह
अध्यक्ष एवं संस्थापक
निदान संस्था, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 8357020007
ई.मेल - nidaanngo24@gmail.com

हर किशोरी का अधिकार,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

हर किशोरी का अधिकार, उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

निदान संस्था ने मुक्ति प्रोजेक्ट द्वारा दिव्यांगो को भी मुख्य धारा से जोड़ा

सशक्त बनेगे, समर्थ बनेगें

मुक्ति लो-कॉस्ट सेनेटरी नैपकिन उत्पादन के जरिये निदान संस्था ने दिव्यांगो को भी मुख्य धारा से जोड़ने का अभूतपूर्व भागीरथी प्रयास किया है। निदान संस्था द्वारा 40 दिव्यांगो को शिविर लगाकर छात्राओं का रजिस्ट्रेशन करना, मुक्ति कार्ड कैसे बनाया जाए, माहवारी प्रबंधक पर बातचीत करने का तरीका एवं प्रबंधन भी सिखाया । जिससे कि प्रशिक्षित दिव्यांग शासकीय स्कूलों में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता शिविरों में उचित तरीके से कार्य कर सकें।

अब डॉ. सुषमा सिंह ने एक कदम आगे बढ़ते हुए दिव्यांगों को सेनेटरी नैपकिन बनाने के लिए भी प्रशिक्षित करने का बीड़ा भी उठाया है जिससे कि वे रोजगार पा सके व अपने रोजमर्रा की जरूरते बिना किसी की सहायता के पूरा कर सकें। यह निदान संस्था की संवेदनशीलता ही है कि इस तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी दृढ़ है। अब तक संस्था द्वारा 38 दिव्यांगों के प्रशिक्षित किया जा रहा है।

सैनेटरी नैपकिन बांटने दिव्यांग छात्राओं का कर रहे रजिस्ट्रेशन

बिलासपुर : शासकीय स्कूलों में छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें सैनेटरी नैपकीन भी वितरित की जा रही है। यहां दिव्यांग स्वयंसेवकों द्वारा स्कूलों की छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कर कार्ड बनाया जा रहा है। जिससे उन्हें वे समय पर सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध करा सकें। छात्राओं में मासिक धर्म पर जागरूकता को लेकर कन्या मिडिल स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला शुक्रवार को निदान संस्था के द्वारा किया गया। इसमें सैनेटरी नैपकिन 590 छात्राओं को वितरित किया गया।

प्रशिक्षित दिव्यांगों के साथ निदान संस्था अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह

मुक्ति माहवारी प्रबंधन कार्यक्रम में शासकीय स्कूलों में प्रशिक्षित दिव्यांग

प्रशिक्षित दिव्यांग व्हालेंटियरों द्वारा स्कूली छात्राओं का रजिस्ट्रेशन

प्रशिक्षित दिव्यांग व्हालेंटियरों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति

मान. मुख्य मंत्री, डॉ. रमन सिंह जी एवं संसदीय सचिव, श्री राजू सिंह क्षत्रीय जी द्वारा 28 दिसम्बर 2016 को हाईजीन प्रोजेक्ट मुक्ति को ग्रामीण स्तर पर किशोरियों एवं शास. विद्यालयों से जुड़ने व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय के उपर कार्य करने के लिए सम्मान पत्र दिया गया ।

बिलासपुर कमिशनर श्रीमती निहारिका बारिक सिंग जी द्वारा सम्मान

श्री अजय चन्द्राकर जी, स्वास्थ्य मंत्री, छ.ग. शासन, श्री धरमलाल कौशिक, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, श्री किशोर रॉय, महापौर, बिलासपुर द्वारा उड़ान हौसलों की सफर कामयाबी के अंतर्गत व्यक्तित्व 2017 सम्मान पत्र के साथ नवभारत द्वारा विमोचित पुस्तिका में सशक्त नारी लेख में भी स्थान दिया गया।

25 नवम्बर 2017

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

श्री अमर अग्रवाल जी, मंत्री, छ.ग. शासन एवं श्री किशोर रॉय जी महापौर बिलासपुर द्वारा शारीरिक स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक चलाने हेतु पुरस्कार एवं सम्मानपत्र देते । 26 जनवरी 2016

सचिव, समाज कल्याण एवं युवा खेल विभाग, छ.ग. शासन, श्री सोनमणि बोरा जी द्वारा 17 फरवरी 2017 को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

भाजपा प्रादेशाध्यक्ष, श्री धरमलाल कौशिक जी एवं नगर पंचायत अध्यक्ष, बिल्हा श्री रामु साहू जी द्वारा शारीरिक स्वच्छता अभियान मुक्ति को चलाने के भागीरथी प्रयास के लिए सम्मान पत्र देते। 2015 अगस्त

नवभारत बिलासपुर नेत्री अवार्ड समाज में महिला सशक्तिकरण कार्यों में योगदान देने हेतु

श्रीमती निहारिका बारिक सिंग, आईएएस, कमीशनर बिलासपुर एवं श्री असीम कुमार सामंत, समुह महाप्रबंधक एनटीपीसी, सीपत, संगवारी महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती तनु सामंत जी द्वारा एनटीपीसी के क्षेत्र में 40 स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता शिविर के क्रियान्वयन के लिए एनटीपीसी सर्वोच्च महिला पुरूस्कार से सम्मानित की गई। 02 मार्च 2017

हर किशोरी का अधिकार,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

बिलासपुर

बिलासपुर की दो कहानियां, जो बताती हैं, महिलाएं सबकुछ कर सकतीं हैं

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

तीन साल सीएमडी कॉलेज में दी प्रोफेसर के रूप में सेवाएं

महिलाओं को शारीरिक स्वच्छता और बीमारी के प्रति जागरूक करने छोड़ दी प्रोफेसर की नौकरी

एक महिला का दर्द महिला ही समझ सकती है। समाज में अभी ऐसी महिलाएं हैं, जो खुद की शारीरिक स्वच्छता को लेकर अंजान हैं। ऐसी ही महिलाओं को शारीरिक स्वच्छता का पाठ पढ़ाने और जागरूक करने का बीड़ा डॉ. सुषमा सिंह ने उठाया है। वह महिलाओं के साथ ही बालिकाओं को उम्र के अनुसार शरीर में आने वाले परिवर्तन के बारे में बताती हैं। उन्हें पढ़-लिखकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करती हैं। देवरीखुर्द की नीरा पति की मौत के बाद पहले खुद पढ़-लिखकर काबिल बनी अब बच्चों की परवरिश कर रही है।

महिलाओं की जुबानी

सिलाई कर बच्चों की परवरिश खुद पढ़ाई कर 12वीं पास की

पति की मौत का सदमा, फिर भी लड़ी जिंदगी से

अनुकंपा नियुक्ति के लिए संघर्ष

चलिए माहवारी और मासिक धर्म की स्वच्छता के लिए माहौल बनाएं और इस पर खुले पर चर्चा करने के लिए समाज को जागरूक करने की पहल करें।

- मुक्ति सेनेटरी नैपकिन, निदान संस्था

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं व किशोरियों को मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों व उनके प्रश्नों को निदान संस्था के मुक्ति प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रश्नों को आमंत्रित किया जाता है एवं उनकी समस्याओं व जिज्ञासाओं को शिविर लगाकर विशेषज्ञों की राय लेते हुए समाधान करते हुए।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

बिलासपुर भास्कर

बिलासपुर

पहल | फोकस है ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं, जहां स्वच्छता एक बड़ी समस्या है

कॅरियर छोड़ा, अब समाज सेवा

निदान संस्था न सिर्फ किशोरियों छात्राओं बल्कि सुदूर ग्रामीण महिलाओं को भी आंगनबाड़ी के माध्यम से इस विषय पर जागरूक करते रहते है व मितानिनों को इस तरीके से प्रशिक्षित किया जाता है कि वो ग्रामीण अंचलों में ज्यादा से ज्यादा किशोरियों व महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर सके।

छत्तीसगढ़ में प्रथम बायोडिग्रेबल ईकोफ्रेण्डली सेनेटरी नैपकिन बनाने की यूनिट का पूजन एवं प्रशिक्षण, एनटीपीसी सीपत देवरी पंधी गांव में।

प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा प्रत्येक माह के अंत तक 50,000 से 60,000 के बीच में सेनेटरी नैपकिन तैयार किये जाते हैं जो कि एनटीपीसी सीपत कम्पनी के द्वारा 40 शासकीय स्कूलों में मासिक धर्म जागरूकता शिविर कर कार्यक्रम के अंत में मुक्ति सेनेटरी नैपकिन दिए जाते हैं जिसका वहन एनटीपीसी कम्पनी द्वारा किया जाता है।

संस्था में मुक्ति सेनेटरी नैपकिन तैयार करने के लिए 8 से 10 महिलाओं को रोजगार भी दिया गया।

निदान संस्था द्वारा संचालित मुक्ति लो-कॉस्ट सेनेटरी नैपकिन युनिट (फैक्टरी) में संस्था द्वारा प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा सेनेटरी नैपकिन तैयार करते हुए।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

लो-कॉस्ट मुक्ति सेनेटरी नैपकिन युनिट (फैक्टरी) में सेनेटरी नैपकिन तैयार करने के चरण

अपने महिला होने पर गर्व करें

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस - 28 मई

महिला सशक्तिकरण की ओर

संस्था द्वारा प्रत्येक माह महिला कर्मचारियों के माध्यम से लगभग 35 हजार से लेकर 45 हजार के बीच में मुक्ति सेनेटरी नैपकिन तैयार किया जाता है जो पूर्ण रूप से बायोडिग्रेबल एवं इकोफ्रेण्डली है। संस्था इस कार्य के माध्यम से इस बात पर जोर देती है कि महिलाओं को रोजगार देने के लिए ऐसे संसाधन व लघु उद्योगों को भी इस उत्पादन के माध्यम से प्रेरित किया गया।

आत्मनिर्भर बनाने निदान संस्था द्वारा दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण लेकर महिलाएं सशक्त और सफल हो रहीं

बिलासपुर. महिलाओं को स्वावलंबी व सशक्त बनाने की दिशा में निदान संस्था द्वारा लगातार बेहतर काम किया जा रहा है. इनके द्वारा क्लासेस लगाकर कई तरह के कोर्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है. जिसमें महिलायें आत्मनिर्भर व सशक्तता की ओर अग्रवाल हो रही हैं. निदान संस्था की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह न बताया वैसे तो निदान संस्था शुरू से ही समय-समय पर महिलाओं व युवतियों को शिविर लगाकर स्वास्थ्य एवं रोजगार के प्रति जागरूक करते रहे हैं. पर यह उनका एक बड़ा प्रोजेक्ट है जो कि निरंतर चलेगा. इसमें शहर सहित आस-पास की ग्रामीण महिलाओं व युवतियों को प्रशिक्षण देकर भविष्य में आत्मनिर्भरता व समाज के साथ जीवन यापन करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

डेढ़ सौ से अधिक प्रशिक्षार्थी:- महीनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण क्लासेस में 150 से अधिक महिलाएं व किशोरियां आ रही हैं. इन प्रशिक्षार्थियां में मीना साहू, मंजूलता, कविता, गौरी, राजकुमारी साहू, आरती सूर्यवंशी, पद्मनी साहू, गायत्री कौशल, सविता श्रीवास, पूनम घुरी, नेहा कैवर्त, संध्या भुवनेश्वर शांति साहू प्रभादेवी आदि सहित अन्य महिलायें शामिल हैं.

अलग-अलग तरह के प्रशिक्षण- मोपका में चल रही क्लासेस में हर कोर्स के लिए अलग-अलग प्रशिक्षक हैं. इसमें कम्प्यूटर प्रशिक्षक के रूप में नावेद हसन खान, सुधीन वर्मा के द्वारा सिलाई एवं श्रीमती उषा भांगे के द्वारा ब्यूटीशियन का कोर्स सिखाया जा रहा है. संस्था में कम्प्यूटर क्लासेस के अंतर्गत बेसिक व प्रोफेशनल कोर्स सिखया जा रहा है जिससम महिलायें व किशोरियों नेट सर्फिंग, कम्प्यूटर द्वारा ऑनलाईन फार्म भरना, आधार कार्ड के विषय में जानकारी लेना आदि बातें सीखने में रूचि ले रही हैं व आत्मनिर्भर बन रही हैं. सिलाई के अंतर्गत बेसिक व प्रोफेशनल तरीके से कटिंग व सिलाई सिखाई जा रही है. जिससे महिलायें रोजगार की ओर उन्मुख हो सकें. ब्यूटिशियन के अंतर्गत भी बेसिक व प्रोफेशनल तरीके से महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है. इस क्लासेस की विशेषता यह है कि संस्था द्वारा गांव-गांव जाकर संस्था की महिलायें संस्थान की अध्यक्षा डॉ. सुषमा सिंह से प्रेरण[illegible] घर-घर में महिलाओं को [illegible] है, जिससे [illegible] व स्वाव[illegible] संस्थ[illegible] के प्र[illegible] किया [illegible] प्रोजेक्ट मु[illegible] सैनेटरी नैपकिन [illegible] उपलब्ध कराये [illegible]

हर किशोरी का अधिकार , उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

मुंबई के प्रशिक्षकों ने दिया महिलाओं को प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित निदान संस्था की सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

निदान संस्था ने 28 मई को ग्राम देवरी सीपत में वाशेबल डिग्रेडेबल इको फ्रेंडली अल्ट्रा थिन लो कास्ट सेनेटरी नेपकिन की लघु उद्योग यूनिट का शुभारंभ किया। इसमें मुंबई से आए प्रशिक्षकों मोहम्मद अफजल शेख व सोनू ने महिलाओं को प्रशिक्षण दिया। देवरी, पंधी व मोपका की 22 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर महिलाओं को नेपकिन बनाते समय किस तरह स्वच्छता एवं हाइजीन का ख्याल रखते हुए उच्च क्वालिटी का उत्पादन किया जाए इसकी जानकारी दी गई। संस्था की अध्यक्ष डा. सुषमा ने बताया कि इस में पहली बार वाशेबल डिग्रेडेबल इको फ्रेंडली अल्ट्रा थिन सेनेटरी नेपकिन मुक्ति बनाने की दिशा में भी प्रयास किया गया है। संस्था के डा. सिंह ने बताया कि प्रोजेक्ट मुक्ति सेनेटरी पैड इसलिए भी खास हो जाता है क्योंकि यह ग्रामीण शासकीय स्कूली छात्राओं उन 5 से 7 दिनों में स्कूल आ सके इस दिशा में संभावनीय कदम है। उन्होंने बताया कि संस्था को एनटीपीसी के सीएसआर मद के तहत देवरी गांव में यूनिट लगाने के लिए स्थान दिया गया है। निदान संस्था का [illegible] कम व उचित मूल्य पर सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध कराना है। इस मौके पर संस्था के सचिव अजीत सिंह, कोषाध्यक्ष डा. [illegible] सिंह, [illegible] प्रताप सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर नावेद हसन खान, [illegible] प्रताप सिंह, उषा भागे, सीमा साहू, कविता पुरी, साधना, नीतू, अनीता, पूजा, पुनीता, अशोक [illegible], [illegible] साहू सहित अन्य मौजूद थे।

खास बात

- निदान संस्था ने किया लघु उद्योग यूनिट का शुभारंभ

सामाजिक वर्जनाओं के विरुद्ध निदान संस्था का सशक्त कदम- मुक्ति

बिलासपुर. निदान संस्था ने सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ते हुए एक सशक्त कदम के साथ [illegible]

प्रशिक्षण लेकर सफल हो रहीं महिलाएं

बिलासपुर। महिलाओं को स्वावलंबी व सशक्त बनाने की दिशा में निदान संस्था लगातार बेहतर काम कर रही है। इनके द्वारा क्लासेज लगा कर कई तरह के कोर्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर व सशक्तता की ओर अग्रसर हो सके।

निदान संस्था की अध्यक्ष डा. सुषमा सिंह ने बताया वैसे तो निदान संस्था शुरू से ही समय-समय पर महिलाओं व युवतियों को शिविर लगाकर रोजगार के प्रति जागरूक करती है पर यह संस्था का एक बड़ा प्रोजेक्ट है जो कि निरन्तर चलेगा। इसमें शहर व आसपास के सभी गांव की महिलाओं व युवतियों को प्रशिक्षण दे कर भविष्य में आत्मनिर्भरता के साथ जीवन यापन कर सके। दो या तीन महीने तक चलने वाले इन कोर्स में 100 से 200 तक महिलाएं व युवतियां प्रशिक्षण ले चुकी हैं। मीना साहू, आरती, शांति साहू, पूनम पुरी, पायल देवी, संगीता, कौशल्या सहित अन्य शामिल हैं। मोपका में चल रही इन क्लासेज में हर तरह के कोर्सेस के लिए अलग अलग प्रशिक्षक हैं इसमें कंप्यूटर प्रशिक्षक के रूप में नावेद, सिलाई के सुधीर वर्मा कोर्स के लिए ऊषा भागे द्वारा प्रोफेशनल एवं बेसिक जानकारियां दी जा रही हैं।

निदान संस्था ने ग्रामीण किशोरियो को उनके मासिक धर्म विषय में जागरूक करने के साथ ही साथ महिला सशक्तिकरण को गंभीरता से लिया जिसके अंतर्गत एनटीपीसी सीपत के पांच गांव देवरी, पंधी, राक, कौड़िया और जांजी की 66 महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन बनाने के लिए प्रशिक्षित किया।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

मुक्ति पुस्तिका का विमोचन
मुख्य अतिथि श्रीमती निहारिका बारिक सिंग,(IAS) कमीशनर बिलासपुर
अति विशिष्ट अतिथि - श्री असीम कुमार सामंत, समुह महाप्रबंधक, एनटीपीसी सीपत,
विशिष्ट अतिथि - श्री भारत भुषण बोड़े, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिलासपुर,
श्री हेमन्त उपाध्याय, जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर
श्रीमती तनुश्री सामंत, अध्यक्ष, संगवारी महिला समिति, एनटीपीसी सीपत
डॉ. रश्मि बुधिया, स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. प्रतिभा जे मिश्रा, समाज कल्याण विभागाध्यक्ष, सेन्ट्रल युनिवर्सिटी
डॉ. राणा प्रताप सिंह, एम्स हॉस्पिटल दिल्ली
कार्यक्रम अध्यक्षता - डॉ सुषमा सिंह, अध्यक्ष, निदान संस्था

एक दिवसीय ''मुक्ति'' माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कार्यशाला के अंतर्गत 70 स्कूलों के 178 अध्यापक एवं प्राचार्यो की उपस्थिति रही।
विकासखंड - मस्तुरी
विकासखंड - बिल्हा
विकासखंड - तखतपुर
16 ग्राम पंचायतों के 70 स्कूल

हर किशोरी का अधिकार,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

श्री सोनमणि बोरा, I.A.S. सचिव, समाज कल्याण एवं युवा खेल कल्याण विभाग

हाईजीन प्रोजेक्ट मुक्ति को समय-समय पर छ.ग. प्रशासन के आला अफसरों, एनटीपीसी के उच्चाधिकारियों, स्कूल प्राचार्यों द्वारा प्रोत्साहन मिलता रहा है। निदान संस्था का ऐसा मानना है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ग्रामीण शासकीय विद्यालयों में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही साथ स्कूलों में सेनेटरी नैपकीन ''मुक्ति'' की उपलब्धता को भी सुनिश्चित किया जा सके। अतः संस्था समय- समय पर प्रशासन के उच्च अधिकारियों, स्कूल प्राचार्यों को कार्यक्रम का संज्ञान देती रहती है। इस कार्यक्रम को धरातल पर सफलतापूर्वक चलाने में एनटीपीसी सीपत महारत्न कम्पनी का अभूतपूर्व सहयोग रहा है।

श्रीमती निहारिका बारीक सिंग, IAS,
कमीशनर, बिलासपुर

श्री पी. दयानन्द जी, IAS, कलेक्टर बिलासपुर

श्री असीम कुमार सामंत जी, समुह महाप्रबंधक, एनटीपीसी,
श्री डी.के. पटेल जी, एचआर हेड, एनटीपीसी

श्री रवि कुमार कौर, एचआर हेड, एनटीपीसी (2017)

डॉ. रश्मि बुधिया, स्त्री रोग विशेषज्ञ

डॉ. नंदा अधीक्षक, राज्य मानसिक रोग चिकित्सालय,
सेन्दरी, बिलासपुर

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

खेल युवा एवं समाज कल्याण सचिव बोरा ने निदान संस्था का किया अवलोकन

सचिव, समाज कल्याण एवं युवा खेल विभाग, छ.ग. शासन, श्री सोनमणि बोरा जी , समुह महाप्रबंधक एनटीपीसी सीपत, श्री असीम कुमार सामंत जी द्वारा मुक्ति लो-कॉस्ट युनिक का अवलोकन करते।

सोनमणि सर एवं सामंत सर जी द्वारा संस्था में आयोजित कार्यक्रम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतगर्त 300 छात्राओं को मुक्ति सेनेटरी नैपकिन दिए गए एवं संस्था के कार्य को सराहते हुए कहा कि संस्था अपने लक्ष्य को न सिर्फ बिलासपुर के शासकीय स्कूलों तक बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ में संचालित करे।

Borah visits low Small industry centre 'Mukti'

हर किशोरी का अधिकार,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

श्रीमती फरिया सिद्दिकी, CEO, जिला पंचायत, बिलासपुर, छ.ग. एवं श्री हेमंत उपाध्याय जी, जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर, श्री अनिल कुमार चौधरी, ए.जी.एम. एनटीपीसी, श्री रवि कौर, एच.आर. हेड, एनटीपीसी, डॉ. रश्मि शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, विभागाध्यक्ष, अपोलो बिलासपुर, डॉ. रश्मि बुधिया, श्री भोखड़ जी, सीएसआर अधिकारी, एनटीपीसी, श्री विजय दूबे सीएसआर मैनेजर, एनटीपीसी की उपस्थिति में मुक्ति युनिट का शुभारंभ हुआ एवं सभी अतिथियों द्वारा उपस्थित 400 छात्राओं को मुक्ति सेनेटरी नैपकिन भी उपलब्ध कराया गया।

देवरी में लघु उद्योग केंद मुक्ति का शुभारंभ

निदान की पहल, मुक्ति केन्द्र का शुभारंभ

देवरी में लघु उद्योग केंद्र मुक्ति का शुभारंभ

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत द्वारा ग्राम देवरी में लघु उद्योग केंद्र मुक्तिका शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि एनटीपीसी के महाप्रबंधक (अनुरक्षण) अनिल कुमार चौधरी, विशिष्ट अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती फरिहा आलम सिद्दीकी, जिला शिक्षाधिकारी हेमंत उपाध्याय, अपोलो हॉस्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती रश्मि शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती रश्मि बुधिया, एनजीओ निदान की अध्यक्ष डॉ सुषमा सिंह, स्कूल की छात्राएं, शिक्षिकाएं, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन) रविशंकर कौल आदि मौजूद थे। इस दौरान वक्ताओं ने बालिकाओं के लिए शिक्षा को जरूरी बताया एवं प्रत्येक बालिका को आत्म निर्भर बनने के लिए कहा। वहीं महिलाओं को हर क्षेत्र में जागरूक रहने प्रेरित किया।

निदान संस्था का आयोजन...

सीपत के स्कूलों में चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेलासपुर. निदान संस्था व नटीपीसी की ओर से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत हाईजीन प्रोडक्ट मुक्ति माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जन जागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ हायर माध्यमिक शाला पंधी में किया गया। डॉ. सुषमा सिंह ने बताया कि इस जागरुकता अभियान में किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों की जानकारी एवं माहवारी के दौरान खास स्वच्छता कैसे रखी जाए, इसकी जानकारी दी गई।

साथ ही निदान संस्था द्वारा निर्मित बायोडिग्रेडबल सैनेटरी नैपकीन मुक्ति का वितरण भी 500 छात्राओं को किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. प्रतिभा मिश्रा, डॉ. पूनम तिवारी, मधु, राजेन्द्र अवस्थी सहित निदान संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

निदान संस्था का आयोजन...

सीपत के स्कूलों में चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। निदान संस्था व एनटीपीसी की ओर से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत हाईजीन प्रोजेक्ट मुक्ति माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जन जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ उच्चतर माध्यमिक शाला पंधी में [illegible] गया। डॉ. सुषमा सिंह ने बताया कि इस जागरूकता अभियान [illegible] शारीरिक परिवर्तनों की जानकारी एवं माहवारी के दौरान खास स्वच्छता कैसे रखी जाए, इसकी जानकारी दी गई।

साथ ही निदान संस्था द्वारा निर्मित बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी नैपकिन मुक्ति का वितरण भी 500 छात्राओं को किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. प्रतिभा मिश्रा, डॉ. पूनम तिर्की, मनु, राजेन्द्र [illegible]

शारीरिक स्वच्छता पर किया जागरूक

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत व निदान संस्था द्वारा संचालित लघु उद्योग केंद्र मुक्ति की ओर से नैगम सामाजिक दायित्व के तहत शासकीय उच्च माध्यमिक स्कूल पंधी में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें स्कूल की छात्राओं को शारीरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसमें अपोलो की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.रश्मि शर्मा, एनटीपीसी सीपत की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.पूनम तिर्की, एनजीओ निदान की अध्यक्ष डॉ.सुषमा सिंह, समाजशास्त्री डॉ.प्रतिभा जे.मिश्रा, पंधी स्कूल की [illegible] एनटीपीसी के अधिकारी व कर्मचारी समेत स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थे। वक्ताओं ने बालिकाओं को मासिक धर्म से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी दी और सेनेटरी नेपकिन के उपयोग के बारे में बताया। यह भी जानकारी दी गई की मुक्ति संस्था द्वारा उत्पादित नेपकिन पूर्णतः बायोडिग्रेडेबल है, जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। आह्वान किया की किसी भी प्रकार की समस्या होने पर छात्राएं अपने बड़ों या विशेषज्ञों की सलाह लेने में संकोच न करें। छात्राओं को सेनेटरी नेपकिन निःशुल्क प्रदान किया गया।

500 छात्राओं को वितरित किया गया सैनेटरी पैड

सिटी रिपोर्टर । बिलासपुर [illegible]

मस्तूरी क्षेत्र के 40 स्कूलों चलाया जाएगा मुक्ति अभियान

[illegible]

हरिभूमि न्यूज़ । मस्तूरी

■ छात्राओं को दी गई किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों की जानकारी

निदान संस्था के तत्वावधान में बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत हाईजीन प्रोजेक्ट 'मुक्ति' माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जन जागरूकता अभियान 40 स्कूलों में चलाया जाएगा। इसका शुभारंभ उच्चतर माध्यमिक शाला पंधी स्कूल से किया गया। इस अभियान को एनटीपीसी का भी सहयोग मिल रहा है। पहले दिन 500 छात्राओं को संस्था द्वारा निर्मित सेनेटरी पैड्स मुक्ति का वितरण भी किया गया, जो एनटीपीसी के सहयोग से संभव हुआ। इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरावस्था में बालिकाओं के शारीरिक परिवर्तनों में आने वाले बदलाव के बारे में उन्हें अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह, [illegible] अपोलो की स्त्रीरोग विशेषज्ञ रश्मि शर्मा, [illegible] डॉ. प्रतिभा जे मिश्रा, एनटीपीसी की [illegible] स्कूल की प्राचार्य [illegible] अधिकारी-कर्मचारी और छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजन में [illegible] विशेष सहयोग रहा।

विकासखण्ड मस्तुरी , उ.मा. शाला पंधी, देवरी
मुक्ति माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जनजागरूकता शिविर एवं मुक्ति सेनेटरी नैपकिन वितरण

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मस्तूरी क्षेत्र के 40 स्कूलों चलाया जाएगा मुक्ति अभियान

स्वच्छता अभियान के शुभारंभ के मौके पर उपस्थित पंधी स्कूल की छात्राएं व शिक्षिका।

हरिभूमि न्यूज ▶▶सीपत

■ छात्राओं को दी गई किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों की जानकारी

निदान संस्था के तत्वावधान में बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत हाईजीन प्रोजेक्ट 'मुक्ति' माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जन जागरूकता अभियान 40 स्कूलों में चलाया जाएगा। इसका शुभारंभ उच्चतर माध्यमिक शाला पंधी स्कूल से किया गया। इस अभियान को एनटीपीसी का भी सहयोग मिल रहा है। पहले दिन 500 छात्राओं को संस्था द्वारा निर्मित सेनेटरी पैड्स मुक्ति का वितरण भी किया गया, जो एनटीपीसी के सहयोग से संभव हुआ। इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरावस्था में बालिकाएं के शारीरिक परिवर्तन में आने वाले बदलाव से उन्हें अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष डा. सुषमा सिंह, कोषाध्यक्ष डा. राणा प्रताप सिंह, अपोलो की स्त्रीरोग विशेषज्ञ रश्मि शर्मा, प्रोफेसर डा. प्रतिभा जे मिश्रा, एनटीपीसी की सीएमओ डा. मीनाक्षी बाजपेयी, स्कूल की प्राचार्य डा. मंजुला शुक्ला, संजय शर्मा, नोडल टीचर लघु स्टाफ के समस्त अधिकारी-कर्मचारी और वालंटियर उपस्थित रहे। आयोजन में राजेन्द्र अवस्थी का विशेष सहयोग रहा।

शारीरिक स्वच्छता पर किया जागरूक

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत व निदान संस्था द्वारा संचालित लघु उद्योग केंद्र मुक्ति की ओर से नैगम सामाजिक दायित्व के तहत शासकीय उच्च माध्यमिक स्कूल पंधी में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें स्कूल की छात्राओं को शारीरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसमें अपोलो की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.रश्मि शर्मा, एनटीपीसी सीपत की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.पूनम तिर्की, एनजीओ निदान की अध्यक्ष डॉ.सुषमा सिंह, समाजशास्त्री डॉ.प्रतिभा जे.मिश्रा, पंधी स्कूल की प्राचार्य मंजुला शुक्ला, एनटीपीसी के अधिकारी व कर्मचारी समेत स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थे। वक्ताओं ने बालिकाओं को मासिक धर्म से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी दी और सेनेटरी नेपकिन के उपयोग के बारे में बताया। यह भी जानकारी दी गई की मुक्ति संस्था द्वारा उत्पादित नेपकिन पूर्णतः बायोडिग्रेडेबल है, जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। आह्वान किया की किसी भी प्रकार की समस्या होने पर छात्राएं अपने वरिष्ठों या विशेषज्ञों की सलाह लेने में संकोच न करें। छात्राओं को सेनेटरी नेपकिन निःशुल्क प्रदान किया गया।

मासिक धर्म के दौरान सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल हर स्त्री व किशोरी का बुनियादी मानवाधिकार है।
- मुक्ति सेनेटरी नैपकिन

500 छात्राओं को वितरित किया गया सैनेटरी पैड

सिटी रिपोर्टर . बिलासपुर | निदान संस्थान ने 40 स्कूलों की छात्राओं को जागरूक करने का अभियान चलाया है। सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पंधी की 500 छात्राओं को जागरूक किया। साथ ही उन्हें सैनेटरी पैड वितरित किया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत निदान संस्था द्वारा हाइजीन प्रोजेक्ट मुक्ति माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जन जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। संस्था द्वारा यह अभियान जिले के 40 स्कूलों में चलाया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को संस्थान ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पंधी की छात्राओं का जागरूक किया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को स्कूल आने के लिए संस्था के सदस्यों ने प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. राणा प्रताप सिंह, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. प्रतिभा जे मिश्रा, डॉ. मिनाक्षी बाजपेयी, मंजुला शुक्ला, संजय शर्मा आदि उपस्थित रहीं।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

590 छात्राओं को बांटी गई नैपकीन

बिलासपुर। नईदुनिया न्यूज

सैनेटरी नैपकिन बांटने दिव्यांग छात्राओं का कर रहे रजिस्ट्रेशन

बिलासपुर। शासकीय स्कूलों में छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें सैनेटरी नैपकीन भी वितरित की जा रही है। वहीं दिव्यांग स्वयंसेवकों द्वारा स्कूलों की छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कर कार्ड बनाया जा रहा है। जिससे उन्हें ... सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध करा सकें। छात्राओं में मासिक धर्म पर जागरूकता को लेकर कन्या मिडिल स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला शुक्रवार को निदान संस्था के द्वारा किया गया। इसमें सेनेटरी नैपकिन 590 छात्राओं ...

66% प्रतिशत भारतीय किशोरियाँ अपने पहले मासिक धर्म के शुरू होने के समय इस विषय के बारे में कुछ भी नहीं जानती हैं।
- मुक्ति सेनेटरी नैपकिन

हर किशोरी का अधिकार,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

शारीरिक स्वच्छता पर दें ध्यान, आत्मनिर्भर बनें

शासकीय कन्या स्कूल सीपत में छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन वितरित किया गया।

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

एनटीपीसी सीपत व लघु उद्योग केंद्र मुक्ति निदान संस्था द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीपत में सेनेटरी नेपकिन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बालिकाओं के लिए शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक स्वच्छता को बहुत जरूरी बताया व प्रत्येक बालिका को आत्मनिर्भर बनने के लिए कहा।

छात्राओं को हाइजीन से संबंधित सभी बीमारियों की जानकारी दी गई। साथ ही सेनेटरी नेपकिन के बारे में बताया गया कि उपयोग होने वाले नेपकिन पूर्णरूप से बायोडिग्रेडेबल है, इससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि बुधिया, समाजसेविका अनु गर्ग, एनटीपीसी सीपत की संगवारी महिला समिति की सभी सदस्य, एनजीओ निदान की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह, सीपत स्कूल की प्राचार्या एबी कुजूर, स्कूल की छात्राएं व शिक्षक, शिक्षिकाएं, निदान एनजीओ, समाज कल्याण विभाग के कार्यकर्ता और एनटीपीसी के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्राओं को दी गई बीमारियों से बचाव की जानकारी

हरिभूमि न्यूज >> बिलासपुर

8 नवंबर को एनटीपीसी सीपत एवं लघु उद्योग केंद्र 'मुक्ति' निदान संस्था द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय सीपत में सेनेटरी नेपकिन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- एनटीपीसी में स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. रश्मि बुधिया ने दिया परामर्श

इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. रश्मि बुधिया, समाजसेविका अनु गर्ग, एनटीपीसी सीपत की संगवारी महिला समिति की सभी सदस्य, एनजीओ 'निदान' की अध्यक्ष डा. सुषमा सिंह, सीपत स्कूल की प्राचार्या ए.बी.कुजूर, स्कूल की छात्राएं व शिक्षक, शिक्षिकाएं, एनटीपीसी के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थे।

इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने बालिकाओं के लिए शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक स्वच्छता को बहुत जरूरी बताया एवं प्रत्येक बालिका को आत्मनिर्भर बनने के लिए तथा और बालिकाओं तथा महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में जागरूक रहने आह्वान किया। इसके लिए कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने का सुझाव दिया। वक्ताओं ने कहा कि छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना भविष्य उज्जवल बनाएं। एनटीपीसी सीपत एवं लघु उद्योग केंद्र 'मुक्ति' निदान संस्था द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व को पूरा करते हुए छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। वे इसका लाभ उठाएं। डा. बुधिया ने छात्राओं को स्त्री रोगों की जानकारी देते हुए इसके बचाव के बारे बताया।

मौसमी बीमारियों से निपटने समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने परामर्श दिए। उन्होंने सेनेटरी नेपकिन के उपयोग की जानकारी दी। उपयोग होने वाली नेपकिन पूर्णरूप से बायोडिग्रेडबल है, जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। डा. बुधिया ने कहा कि सभी स्कूलों में जाकर मेन्स्ट्रुअल हाइजीन के बारे में स्कूली छात्राओं को जागरूक कराना चाहिए। एनटीपीसी के इस कार्यक्रम के आयोजन के प्रयास को सराहनीय कदम बताया। साथ ही साथ सभी विद्यार्थियों का पंजीयन कराया गया, ताकि समय समय पर उनको स्त्री रोगों की जानकारी दे सकें। सभी अतिथियों ने एनटीपीसी सीपत के तत्वावधान में आयोजित लघु उद्योग केंद्र 'मुक्ति' द्वारा इस आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही एनटीपीसी को एनजीओ संस्था निदान से जुड़ने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित की। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिए गए।

कार्यक्रम में शामिल छात्राएं व आयोजन समिति के सदस्य।

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

हर किशोरी का अधिकार,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

निदान संस्था मासिक धर्म जागरूकता के साथ-साथ दिव्यांग किशोरियों व लड़कों को भी इस मुहिम के साथ जोड़ने की एक सार्थक पहल कर अपने आप में मिसाल बन गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांगो को प्रशिक्षित किया जाता है कि इस तरह के जन-जागरूक शिविरों मे अपनी सहभागिता दे कर समाज की मुख्य धारा से अपने-आप को जोड़ सके। - मुक्ति सेनेटरी पैड निदान संस्था

सैनेटरी नैपकिन बांटने दिव्यांग छात्राओं का कर रहे रजिस्ट्रेशन

बिलासपुर | शासकीय स्कूलों में छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें सैनेटरी नैपकीन भी वितरित की जा रही है। वहीं दिव्यांग स्वयंसेवकों द्वारा स्कूलों की छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कर कार्ड बनाया जा रहा है। जिससे उन्हें वे समय पर सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध करा सकें। छात्राओं में मासिक धर्म पर जागरूकता को लेकर कन्या मिडिल स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला शुक्रवार को निदान संस्था के द्वारा किया गया। इसमें सैनेटरी नैपकिन 590 छात्राओं को वितरित किया गया।

590 छात्राओं को बांटी गई नैपकीन

बिलासपुर | नईदुनिया न्यूज

निदान संस्था की ओर से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन शिविर का आयोजन सीपत कन्या शाला में किया गया। इसमें एनटीपीसी के सहयोग से 590 छात्राओं को मुक्ति सैनेटरी नैपकीन का वितरण किया गया।

इस दौरान डॉ. रश्मि बुधिया ने छात्राओं को होने वाली परेशानी का समाधान किया। साथ ही शारीरिक स्वच्छता के लिए प्रेरित करते हुए स्वास्थ्य पर इसके लाभ व महत्व से अवगत कराई। निदान की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह ने कहा कि संस्था की ओर से निर्मित यह नैपकीन पूर्ण रूप से बायोडिग्रेडेबल व इकोफ्रेंडली है।

मुक्ति लघु उद्योग इकाई को वर्तमान में एनटीपीसी के सहयोग से चलाया जा रहा है। शिविर आयोजन में दिव्यांग बालिकाओं की मदद से छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कार्ड भी बनाया गया। इस

अवसर पर प्राचार्य एबी कुजूर, समाज सेविका अनु गर्ग, प्रभा महोबे, डॉ. राना एवं संगवारी महिला समिति की सदस्य उपस्थित थीं।

पत्रिका

छात्राओं को बताया स्वच्छता का महत्व

शासकीय कन्या उमा. विद्यालय सीपत में जागरूकता कार्यक्रम

बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

पत्रिका - पत्र
10/11/2017 - शुक्रवार

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

निदान संस्था द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत मुक्ति हाईजिन प्रोजेक्ट उ.मा. शाला तिफरा में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता शिविर एवं सेनेटरी नैपकिन वितरण एवं मान. धरमलाल कौशिक जी, भाजपा प्रादेशाध्यक्ष द्वारा इस भागीरथी प्रयास के लिए निदान संस्था अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह को सम्मान पत्र प्रदान किया गया।
31 दिसम्बर 2015

नवभारत

तिफरा शाला में बेटी बचाओ अभियान

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

विकासखण्ड बिल्हा -
शास. कन्या हाई स्कूल छतौना

मासिक धर्म पर जागरूकता आवश्यक है
क्योंकि..... लड़कियों को स्कूल में होना चाहिए, महिने के हरेक दिन,
खास उन पाँच दिनों में भी स्कूल आने का अधिकार है।
निदान संस्था
- अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह
- कोषाध्यक्ष डॉ. राणा प्रताप सिंह

बिलासपुर, सोमवार, 23 नवंबर 2015 | बिलासपुर | हरिभूमि

समस्या से बचने छात्राओं में जागरूकता जरूरी

बिलासपुर। निदान संस्था द्वारा शासकीय हाईस्कूल छतौना में सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। बेटी बचाओ-पढ़ाओ योजना के माध्यम से शारीरिक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी हेमंत उपाध्याय एवं विशिष्ट अतिथि सहायक आयुक्त आदिवासी विकास गायत्री नेताम थे। निदान संस्था की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह ने प्रोजेक्ट मुक्ति के बारे में बताते हुए कहा कि 30 प्रतिशत किशोरियां सिर्फ इसी वजह से स्कूल छोड़ देती हैं। किशोरियों की समस्याओं के निदान के लिए निदान संस्था जिले के 6 शासकीय हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में प्रोजेक्ट मुक्ति अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत लगभग 2 हजार 5 सौ से 3 हजार तक छात्राओं को पिछले 6 महीनों में विद्यालयों में जाकर सेनेटरी नेपकिन के इस्तेमाल व इसके लाभ से छात्राओं व किशोरियों को जागरूक कर रही है तथा सेनेटरी नेपकिन का वितरण कर रही है। संस्था की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह ने बताया कि सेनेटरी नेपकिन के इस्तेमाल नहीं करने से गर्भाशय का कैंसर, आंतरिक इंफेक्शन, जलन, ल्यूकेरिया, बांझपन व अधिक रक्त स्त्राव सहित अन्य बीमारियां हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचाने के लिए छात्राओं को जागरूक करना ही निदान संस्था का प्रयास व उद्देश्य है। कार्यक्रम में सुश्री नेताम ने सेनेटरी नैपकिन के इस्तेमाल व इसको नष्ट करने के उपायों के बारे में स्पष्ट रूप से बताया। मुख्य अतिथि हेमंत उपाध्याय ने छात्राओं को व्यक्तिगत साफ-सफाई एवं हाइजीन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में निदान संस्था के साथ टाइगर समाज सेवा समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र लडेर, सचिव संजय, छतौना सरपंच रमेश साहू व समस्त शासकीय हाईस्कूल छतौना भी शामिल रहा। कार्यक्रम में अरविंद गर्ग, सोहेज शर्मा, प्रो कोआर्डिनेटर प्रशांत कुमार भारती व जनसंपर्क अधिकारी डॉ दीपा कुशवाहा उपस्थित रहे।

शासकीय हाईस्कूल छतौना में कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

छात्राओं को नेपकिन वितरित करती अतिथि।

नवभारत 5

'निदान' संस्था ने किया नुक्कड़ नाटक का मंचन

निदान संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक के द्वारा स्वच्छता का संदेश देने के साथ ही स्वच्छ रहने की शपथ भी मान. मंत्री, श्री अमर अग्रवाल जी द्वारा दिलाई गई।

- स्वच्छ रहेंगे, तो स्वस्थ रहेंगे

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर - निदान संस्था

2016

जिंदगी लाइव

इवेंट लाइव

समाज को लेनी होगी स्वच्छता की जिम्मेदारी

स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में समाज की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, समाज की जिम्मेदारी से ही स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सकता है। ये बातें गणतंत्र दिवस के अवसर पर निदान संस्था द्वारा मैग्नेटो मॉल में आयोजित स्वच्छ रहेंगे स्वस्थ रहेंगे कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अमर अग्रवाल ने कहीं।

निदान ने दिया स्वच्छता का संदेश

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

हर किशोरी का अधिकार उन 5 दिनों में स्कूल आने
का सपना हो साकार ।
- मुक्ति सेनेटरी नैपकिन, निदान संस्था

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

कई किशोरियाँ मासिक धर्म के दौरान विद्यालय सिर्फ इस लिए नहीं जा पाती क्योंकि उचित जानकारी व जागरूकता न होने के कारण एवं उन पाँच दिनों में सेनेटरी नैपकिन न इस्तेमाल कर पाने की दशा में स्कूल जाने से वंचित रह जाती हैं।
- मुक्ति सेनेटरी पैड

निदान ने किया किशोरियों में सेनेटरी नेपकिन का वितरण

बिलासपुर @ पत्रिका

[illegible]

महिलाओं को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

[illegible]

गंदे पुराने वस्त्रों से मासिक धर्म का प्रबंधन करने के कारण भारत की 70 प्रतिशत महिलाएं प्रजनन प्रणाली संक्रमण से पीड़ित हैं। 13 करोड़ घरों में आज भी शौचालय नहीं है जहां किशोरी व महिलाएं अकेले में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन या सेनेटरी नैपकिन की निजता पा सके। 53 प्रतिशत शासकीय विद्यालयों में भी शौचालय नहीं है जहां छात्राएं व किशोरियां स्कूल में माहवारी के दौरान प्रबंधन कर सके। ऐसे में छात्राऐं अधिकतर या तो स्कूल ही नहीं आती या घर चली जाती हैं जिससे छात्राओं की हाजिरी कम हो जाती है पढ़ाई में पिछड़ने लगती हैं। अंततः कई मामलों में पढ़ाई भी छूट जाती है।

- मुक्ति सेनेटरी पैड, निदान संस्था

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

जहां हरियाली, वहीं खुशहाली, बेटी बचाओ पेड़ लगाओ

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

एनटीपीसी सीपत शा.पू.मा. शाला में मासिक धर्म कार्यशाला के अंतर्गत छात्राओं से उनकी समस्याओं व जिज्ञासाओं प्रश्नों के माध्यम से आमंत्रित किया गया एवं मुक्ति सेनेटरी नैपकिन के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराया गया एवं सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल करना क्यों आवश्यक है इस बारे में भी समुचित जानकारी दी गई एवं न इस्तेमाल करने की दशा में भविष्य में में होने वाले दुष्परिणामों से भी सचेत किया गया। मुक्ति कार्यशाला में विद्यालय की 412 छात्राओं ने एवं स्कूल के समस्त स्टाफ ने हिस्सा लिया एवं कार्यशाला प्रायोजन को सराहनीय व सशक्त कदम के रूप में स्वीकार किया एवं भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं को दोहराया जाना चाहिए के सुझाव के साथ निदान संस्था को आभार व्यक्त किया गया । साथ ही साथ निदान संस्था प्रत्येक स्कूलों में जनजागरूकता शिविर लगाने के बाद छात्राओं, शिक्षिकाओं के साथ फलदार व आयुर्वेदिक पौधा रोपण कार्यक्रम भी करती है। इन कार्यक्रमों के द्वारा निदान संस्था 1000 पौधारोपण कर चुकी है।

मुक्ति हाइजीन प्रोजेक्ट का स्वच्छता अभियान प्रारंभ

नवभारत रिपोर्टर बिलासपुर

शारीरिक स्वच्छता अभियान ''मैन्सुरेशन हाइजिन मैनेजमेंट''

"मुक्ति" सेनेटरी नैपकिन

NIDAAN

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मासिक धर्म के दौरान

- मासिक धर्म स्वस्थ्य नारीत्व गुणों का प्रमाण है।
- स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।
- हमेशा सेनेट्री पैड / साफ कपड़े का उपयोग करें।
- दिन में दो बार सेनेट्री पैड / साफ कपड़ा बदलें।
- सामान्य मासिक चक्र 5-7 दिन तक रहता है।
- पहले दिन हल्की परेशानी सामान्य बात है। ज्यादा दर्द या अधिक माहवारी पर अविलम्ब चिकित्सीय सलाह लीजिए।
- इन दिनों में रोज की भांति नित्य क्रियायें, स्नान करना, उचित आहार लेने के साथ, किशोरियाँ स्कूल जरुर जायें।
- इस विषय पर शिक्षिकाओं / बड़ों से खुल कर अपनी समस्याओं पर चर्चा करें।
- बांझपन, बच्चेदानी में इंफेक्शन से बचने के लिए स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।
- किशोरियों और छात्राओं को उनकी पहली महावारी (पीरियड्स) के बारे में बात करने की शुरुआत 8 साल की उम्र से कर देनी चाहिए।
- संस्था का प्रयास है कि प्रत्येक ग्रामीण स्कूलों में बायोडिग्रेबल, ईकोफ्रेंडली सेनेटरी नैपकिन को उनकी खरीद पाने की क्षमता के अंदर उपलब्ध कराना, जागरुक करना, इस विषय पर उनके संकोच को खत्म कर बात करने के लिए तैयार करना
- विभिन्न राज्यों में छात्राओं के स्कूल न आ पाने (स्कूल ड्राप आउट) की समस्या का समाधान शिक्षा आयोग ने सेनेटरी नैपकिन में ढूंढा है।
- यह संकोच, शर्मिंदगी या अपवित्रता का विषय नहीं है।

सावधनियाँ/नष्ट करने के तरीके

- सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल के बाद लीक प्रूफ बैग में डाले या कागज में अच्छी तरह लपेट कर कूड़ेदान में फेंके।
- इस्तेमाल सेनेटरी नैपकिन को फेकते समय उस कूड़ेदान का इस्तेमाल करें जिसपर ढक्कन लगा हो और वह जानवरों की पहुंच से दूर हो।
- इस्तेमाल नैपकिन को ना ही टायलेट (बाथरुम) में फ्लश करें, ना ही खुली जगह में जलाएं और ना ही इधर-उधर किसी और कूड़े के साथ फेके।
- इस्तेमाल सेनेटरी नैपकिन को जमीन में गड्ढा खोद कर दबाएं या फिर एकत्रित नैपकिन को सावधानी पूर्वक किसी स्थान पर जला दें।

निदान संस्था बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा किशोरियों/महिलाओं के हित में प्रसारित

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस - 28 मई। "अपने महिला होने पर गर्व करें"

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

स्कूलों में जागरूकता अभियान

बिलासपुर। देवकीनंदन गर्ल्स हाई स्कूल में निदान संस्था द्वारा एनटीपीसी सीपत व आसपास के 40 शासकीय हाई स्कूल व उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ मीटिंग ली गई। जिसमें संस्था की अध्यक्ष डा. सुषमा सिंह द्वारा निदान संस्था के आगामी महीनों में एनटीपीसी के सौजन्य से एनटीपीसी क्षेत्र में चलने वाले स्कूल चलो अभियान शारीरिक स्वच्छता के अन्तर्गत जनजागरूकता अभियान 2017-2018 की रूपरेखा व दिनांक तय करने पर चर्चा हुई। सभी प्रिंसिपलों द्वारा एनटीपीसी द्वारा उनके क्षेत्र में निदान संस्था द्वारा इस प्रभावशाली योजना को जमकर सराहा गया। संस्था की तरफ से प्रत्येक प्राचार्य को मुक्ति पुस्तिका का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को स्कूल जाने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया। इस अवसर पर उषा रानी बाय स्कूल गुड़ी, साधना देवगी कुर्रे, किंडो खमरिया, पूजा वर्मा मंजुपहारी, कृष्णा भट्टाचार्य रॉक, देवकी, आरती गतोरा, पी तोपो व मधु सहित अन्य आदि उपस्थित रहे।

मुक्ति पुस्तिका के साथ प्राचार्य व संस्था की महिलाएं।

तरुण पथ
हिन्दी दैनिक

बिलासा

बिलासपुर, रविवार, 11 अक्टूबर 2015

8

डॉ. सुषमा की -जनजागृति अभियान

डॉ. सुषमा सिंह बच्चों के साथ हुई शामिल।

» महिलाओं और किशोरियों को सैनेटरी नेपकिन के इस्तेमाल के लिए उनको अवेयर करना

» निःशुल्क शिविर का किया गया आयोजन

जागरूकता के अभाव में एवं मासिक धर्म की रूढ़ियाओं के कारण
लड़कियों व किशोरियों को शर्म महसुस नहीं करनी चाहिए, अपने बड़े
होने व स्वस्थ होने की निशानी के लिए।
- मुक्ति सेनेटरी नैपकिन, निदान संस्था

हर किशोरी का अधिकार,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

सेन्ट्रल युनिवर्सिटी, गुरू घासीदास, रजिस्ट्रार श्री मनीष श्रीवास्तव जी एवं युनिवर्सिटी छात्राओं द्वारा निदान संस्था अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह का सम्मान किया गया। 2014

हौसले और जुनून की कहानी - डॉ. सुषमा सिंह

डॉ. सुषमा सिंह

निदान संस्था की टीम पूर्ण रूप से शारीरिक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत प्रोजेक्ट मुक्ति के द्वारा कन्या शिक्षा, महिला स्वस्थ्य एवं समाज में महिलाओं की सामाजिक उत्थान के प्रति समर्पित व वचनबद्ध है। निदान संस्था मुक्ति प्रोजेक्ट के द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के अंतर्गत ग्रामीण स्कूली छात्राओं को कम मूल्य पर सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है जिसके अंतर्गत संस्था 78 शास. विद्यालयों को चिन्हित कर उन्हें माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत मासिक धर्म में ठीक से रख-रखाव, स्वास्थ पर पड़ने वाले लाभ व हानि एवं संस्था द्वारा बनाए जाने वाले बायोडिग्रेबल मुक्ति सेनेटरी नैपकिन का वितरण भी कार्यक्रम बनाया है।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

2014 निदान संस्था एवं किम्स हॉस्पिटल द्वारा ग्राम बिरकोना में 530 महिलाओं एवं छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

महिलाओं व बालकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण

बिलासपुर (निप्र)। शहर से लगे ग्राम बिरकोना में सामाजिक संस्था निदान द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें 535 गर्भवती महिलाओं और बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां दी गईं। शिविर में चिकित्सकों ने महिलाओं को गर्भ के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया। वहां सामाजिक संस्था निदान की अध्यक्षा डॉ. सुषमा सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाएं प्रसव बाद कुपोषण का शिकार हो जाती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उपचार सुविधा पहुंचाने के लिए संस्था काम कर रही है। शिविर के दौरान मरीजों को विटामिन, कैल्सियम व आयरन की दवा दी गई।

गरीबों के इलाज के लिए आगे आया निदान

- निदान ने किम्स के सहयोग से लगाया कैम्प
- 470 ग्रामीण हुए लाभान्वित

बिलासपुर. गांव में रहने वाले कमजोर तबके के लोगो को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के उद्देश से नव गठित सामाजिक संगठन निदान द्वारा ग्राम अमसेना में किम्स के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगाया जिसमें 470 महिला पुरूष एवं बच्चों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया. सामाजिक संगठन निदान की संयोजिका डा. सुषमा सिंग ने

शिविर में जांच करते चिकित्सक

बताया कि संगठन का मूल उद्देश शैक्षणिक एवं आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोगो में स्वास्थ्य जागरूकता के साथ स्वा... उपलब्ध कराना है. संगठन के द्वारा महिलाओं विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिये विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है. ग्राम अमसेना में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमें 470 लोगो ने लाभ उठाया. शिविर

गरीबों का इलाज करेगा निदान

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

2014 निदान संस्था एवं किम्स हॉस्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोफिया जी द्वारा तखतपुर वि.खं. के अंतर्गत 3 गांवो में शिविर लगा कर 535 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुक्ति सेनेटरी पैड, निदान संस्था

535 महिलाओं व बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण

बिरकोना। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं व बालिकाओं को मूलभूत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था निदान हमेशा आगे रही है। अस्पताल के सहयोग से निदान ने बिरकोना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस दौरान 5 सौ से ज्यादा महिलाओं व बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाएं दी गईं।

आज भी ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाएं व बालिकाएं मूलभूत चिकित्सकीय सुविधाओं से वंचित हैं। महिलाएं गर्भ के दौरान व प्रसव बाद कुपोषण का शिकार हो जाती हैं। निदान की संचालिका डॉ.सुषमा सिंह ने बताया कि, ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उपचार सुविधा पहुंचाने के लिए सामाजिक संस्था निदान सराहनीय कार्य कर रही है। शिविर में 535 महिलाओं व बालिकाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान उन्हें अपने शरीर का ध्यान रखने संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। वहीं कई मरीजों को विटामिन, कैल्शियम व आयरन की दवाइयां वितरित की गईं। गर्भवती होने के दौरान व प्रसव के बाद में महिलाओं को होने वाली समस्या से बचने के लिए सावधानियां बताई गईं। इसके साथ ही बच्चों के ग्रोथ के संबंध व उस दौरान रखी जाने वाली आवश्यक सावधानियां बताई गईं। कुपोषण के दौरान पौष्टिक आहार देने व विशेष ध्यान रखने को कहा गया। इस दौरान निदान की संयोजिका डॉ.सुषमा सिंह, इंद्रजीत बेनर्जी, ज्योति चक्रवर्ती व अन्य लोग मौजूद थे।

महिलाओं व बालिकाओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

- निदान व किम्स के सहयोग से बिरकोना में लगाया शिविर
- दिया गया आवश्यक परामर्श, बांटी दवाइयां

बिलासपुर. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं व बालिकाओं को मूलभूत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था निदान हमेशा आगे रही है. किम्स अस्पताल के सहयोग से निदान ने बिरकोना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया. इस दौरान 5 सौ से ज्यादा महिलाओं व बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाइयां वितरित की गईं.

वहीं महिलाओं को गर्भ के पूर्व व बाद की सावधानियों से अवगत कराया गया. आज भी ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाएं व बालिकाएं मूलभूत चिकित्सीय सुविधाओं से वंचित हैं. इसके चलते महिलाएं गर्भ के दौरान व प्रसव बाद कुपोषण का शिकार हो जाती हैं. डॉ सुषमा सिंह ने बताया कि, ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उपचार सुविधा पहुंचाने के लिए सामाजिक संस्था निदान सराहनीय कार्य कर रही है.

स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

किम्स अस्पताल के सहयोग से निदान ने बिरकोना के ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया. किम्स की विशेषज्ञ डॉ सोफिया सुलतान, डॉ मृणाली की टीम ने 535 महिलाओं व बालिकाओं के स्वास्थ्य की जांच की. इस दौरान उन्हें अपने शरीर का ध्यान रखने के लिए आवश्यक परामर्श दिया गया. वहीं कई मरीजों को विटामिन, कैल्शियम व आयरन की दवा वितरित की गई. गर्भवती होने के दौरान व प्रसव के बाद में महिलाओं को होने वाली समस्या से बचने के लिए सावधानियां बताई गईं. इसके साथ ही बच्चों के ग्रोथ के संबंध में भी जानकारी दी गई. कुपोषण के दौरान पौष्टिक आहार देने व विशेष ध्यान रखने को कहा गया. इस दौरान निदान की अध्यक्ष डॉ सुषमा सिंह, किम्स के इंद्रजीत बेनर्जी, ज्योति चक्रवर्ती व अन्य लोग मौजूद थे.

ग्रामीणों का [illegible]

निदान व किम्स के संयुक्त शिविर के दौरान ग्रामीणों का [illegible] देखने लायक था. निदान की टीम के साथ ग्रामीण भी घर-घर जाकर [illegible]

गरीबों के इलाज के लिए आगे आया निदान

बिलासपुर। गांव में रहने वाले कमजोर तबके के लोगों को उत्तम स्तरीय चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के उद्देश्य से [illegible] सामाजिक संगठन निदान ने ग्राम [illegible] में किम्स के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगाई। इसमें लगभग 420 ग्रामीण लाभान्वित हुए। सामाजिक संगठन निदान की संयोजक डॉ. सुषमा सिंह ने बताया कि संगठन का मूल उद्देश्य शैक्षणिक एवं आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। संगठन द्वारा महिलाओं को विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। जिसमें गर्भावस्था के दौरान जच्चा बच्चा के स्वास्थ्य के लिए गांव-गांव में शिविर लगाकर परामर्श एवं चिकित्सा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि निदान का कार्य प्रारंभ करते हुए सबसे पहले ग्राम [illegible] में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में किम्स के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान चिकित्सकों ने बताया कि ग्रामीणों में प्राथमिक रूप से कैल्शियम की कमी सहित अन्य समस्याएं हैं। जिन्हें आने वाले दिनों में दूर किया जाएगा।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

टारगेट ऑफ छत्तीसगढ़ शुक्रवार 9 अक्टूबर 2015 शहर www.Target of chhattisgarh.com 8

सच्ची लगन व दृढ़ता से कोई भी असंभव नही-डॉ सुषमा सिंह

निदान संस्था अपने शुरूआती दौर में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता के साथ सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल न करने के हानि व इस्तेमाल करने के स्वस्थ्य पर पड़ने के लाभ के बारे में छात्राओं/ ग्रामीण महिलाओं को अवगत कराती थीं।
पर जागरूकता के दौरान ही डॉ. सिंह ने पाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के साथ ही महिलाओं व छात्राओं में नैपकिन इस्तेमाल करने की जरूरत महसुस हुई। इसके समाधान में संस्था ने मार्केट से रेड्डीमेड सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराया। पर यह स्थाई समाधान नहीं था ।

डॉ. सुषमा सिंह

शासकीय उ.मा. शाला, तिफरा,
विकासखण्ड बिल्हा
2015 में जागरूकता शिविर

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

निदान संस्था सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए निदान संस्था हमर हरियर छत्तीसगढ़ योजना के अंतर्गत समय-समय पर बिलासपुर क्षेत्र में वृहद रूप से पौध रोपण कार्यक्रम भी आयोजित करती रहती है। संस्था अपने इस कार्यक्रम के अंतर्गत बिलासपुर में अब तक 490 पेड़-पौधे लगा चुकी है ।

जहाँ हरियाली, वहीं खुशहाली
बेटी बचाओ, पेड़ लगाओ

नवभारत

बिलासपुर को हरा-भरा रखना सबका दायित्व

बिलासपुर. पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. कलाम की स्मृति में आज निदान संस्था द्वारा श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित वाटिका में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था. उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागायुक्त सोनमणि बोरा थे. उन्होंने वाटिका में वृक्षारोपण किया. इस अवसर पर श्री बोरा ने कहा कि बिलासपुर को हरा-भरा रखना हम सबका दायित्व है. यह कार्य शासन-प्रशासन एवं नगर निगम के साथ-साथ सामाजिक संगठनों के सहयोग से किया जा सकेगा. उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण में लोगों की भागीदारी अधिक से अधिक हो यह प्रयास किया जा रहा है. उक्त कार्यक्रम में 180 पौधे

बिलासपुर। पौधरोपण के दौरान उपस्थित अतिथि

निदान संस्था ने किया पौधरोपण

बिलासपुर। पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की स्मृति में निदान संस्था की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन श्रीकांत वर्मा मार्ग पर स्थित वाटिका में किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि कमिश्नर सोनमणि बोरा एवं विशिष्ट अतिथि महापौर किशोर राय ने पौधरोपण करते हुए कहा कि

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम की स्मृति में लगाए गए पौधे

बिलासपुर को हरा-भरा [illegible] सबकी जिम्मेदारी है। संस्था की अध्यक्ष डॉ. सुषमा सिंह ने इस प्रयास को सराहनीय बताया। इस दौरान वाटिका में करीब [illegible] पौधे रोपे गए।

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पाँच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था

जहां हरियाली वहीं खुशहाली, बेटी बचाओ पेड़ लगाओ

दैनिक भास्कर
बिलासपुर

पहल | दैनिक भास्कर के एक पेड़, एक जिंदगी की मुहिम के तहत निदान संस्था ने रोपे पौधे

पौधे लगाकर जिंदगी को कर रहे सुरक्षित

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

13 सौ औषधीय पौधे वितरित किए गए

निदान संस्था 2014 से ही लिंक रोड बिलासपुर के डिवाडरों पर पौधारोपण कर रही है जिसमें प्रमुख रूप से लक्ष्मीतरू, कैनेर, चम्पा व फलदार फलों के 500 पौधे खाली स्थानों पर लगा चुकी है। साथ ही सड़कों के किनारे खाली स्थानों में छोटे बगीचों का स्वरूप भी तैयार कर चुकी है। इन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सोनमणी बोरा जी, श्रीमती रानु साहू एवं महापौर किशोर रॉय जी एवं शहर के अन्य गणमान्य द्वारा पौधारोपण कराया गया है।

नवभारत
न्यायधानी

नवभारत
न्यायधानी

पौधरोपण के लिए जागरूकता जरूरी: बोरा

हर किशोरी का अधिकार ,
उन पांच दिनों में स्कूल आने का सपना हो साकार

स्वच्छ भारत
एक कदम शारीरिक स्वच्छता की ओर

मुक्ति सेनेटरी पैड
निदान संस्था